बिहार-विधान-सभा वादवृत्त

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में मंगलवार, तिथि २३ मार्च, १९५४ को ११ बजे पूर्वाह्न में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर।

SHORT NOTICE QUESTIONS AND ANSWERS.

ताड़ी की दूकानों की बन्दोबस्ती।

१७७। श्री बबुए लाल महतो—क्या मंत्री, राजस्व विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) ताड़ी की दूकानों की बन्दोबस्ती प्रत्येक जिले में १९५४-५५ के लिये कब से चल रही है;

(ख) क्या यह बात सही है कि सरकार ने लाइसेंस फीस की वृद्धि के लिये कोई आदेश दिया है;

(ग) यदि खंड (ख) का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार ने इस वृद्धि के आदेश का कौन-सा आधार रखा है?

श्री कृष्ण बल्लभ सहाय—(क) एक स्टेटमेंट जिसमें तारीख दी हुई है पुस्तकालय के मेज पर रख दिया गया है।

(ख) उत्तर ना है।

(ग) यह सवाल नहीं उठता है।

श्री बबुए लाल महतो—क्या यह बात सही है कि पटना जिला में लाइसेंस फी में वृद्धि की गई है।

अध्यक्ष—आदेश के विषय में आपका प्रश्न था तो लाइसेंस की वृद्धि के बारे में सवाल कैसे उठता है?

श्री दारोगा प्रसाद राय—माननीय राजस्व मंत्री कहते हैं कि इसका आदेश नहीं दिया गया है तो आपके आदेश के बिना फी में वृद्धि कैसे हो रही है?

श्री कृष्ण बल्लभ सहाय—मैंने बतलाया कि कोई आदेश नहीं दिया गया है तो यह प्रश्न कैसे उठता है।

SPEAKER : Then it is not a case of political sufferers. A political sufferers would not stand in need of any concession being made on the ground of his being a political sufferer if he is otherwise qualified.

Shri JAGANNATH SINGH : I want to know if in such appointments some weight will be given to political sufferers who are otherwise duly qualified.

Shri KRISHNA BALLABH SAHAY : The answer is in the negative.

श्री दारोगा प्रसाद राय—क्या राजनीतिक पीड़ित होना अतिरिक्त योग्यता नहीं समझी जायगी ?

श्री कृष्ण वल्लभ सहाय—जो कंसेशन है वह एक्जौस्टिव है।

श्री दारोगा प्रसाद राय—जो कंसेशन था क्या वह सफिसियेंट था ?

अध्यक्ष—यह प्रश्न नहीं उठता है।

लोहागर नदी से सरोनी बांध तक एक पैन निकालने की योजना।

*१२८५। श्री राघवेन्द्र नारायण सिंह—क्या मंत्री, राजस्व विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि भागलपुर जिलान्तर्गत बेलहट्टा थाना के मौजे बेलडीहा में लोहागर नदी से सरोनी बांध तक एक पैन निकालने की योजना सरकार के पास विचाराधीन है ;

(ख) क्या यह बात सही है कि उक्त पैन की खुदाई राज बनैली जमींदार के द्वारा कुछ दूर तक की गई थी ;

(ग) क्या यह बात सही है कि बांका प्रमंडल के अंचलाधिकारी (सर्किल औफिसर) श्री राम सागर सिंह स्वयं उक्त योजना का निरीक्षण करने १९५२ ई० में गये थे, यदि हां, तो उन्होंने क्या रिपोर्ट दी ;

(घ) क्या यह बात सही है कि उक्त योजना के कार्यान्वित होने से बेलडीहा, धमंरही, पपरेवा, बहोरना, सत्तीघाट, खासाघोला इत्यादि मौजे की सिंचाई की समस्या हल हो जायगी ;

(ङ) यदि हां, तो क्या सरकार इस योजना को बरसात के पहले कार्यान्वित करने का विचार करती है ?

श्री कृष्ण वल्लभ सहाय—(क) उत्तर हां है।

(ख) गवर्नमेंट के पास कोई खबर नहीं है।

(ग) उत्तर 'ना' है।

(घ) और (ङ) इसकी जांच की जायगी और जब यह योजना ठीक समझी जायगी तब जल्दी से इसके ऊपर कारवाई की जायगी।